

|                                    |  |  |
|------------------------------------|--|--|
| नाम एवं पता                        | भगवान बाहुबली स्वामी महावीर स्वामी दि. जैन अतिशय क्षेत्र, आरा<br>धर्मकुंज, धर्मपुरा, आरा, जिला – भोजपुर, (बिहार) पिन – 802301                    |  |
| टेलीफोन                            | 06182 – 243896, 691901   |  |
| क्षेत्र पर उपलब्ध सुविधाएँ         | आवास   | कमरे (अटैच बाथरूम) – 8 (बिना बाथरूम) – 15<br>हाल – 01 (यात्री क्षमता – 150), गेस्ट हाऊस – 1  |
|                                    |  | यात्री ठहराने की कुल क्षमता – 200  |
|                                    | भोजनशाला   | नहीं   |
|                                    | औषधालय   | है पुस्तकालय – है  |
|                                    | विद्यालय   | है एस.टी.डी./पी.सी.ओ. – है   |
| आवागमन के साधन                     | रेलवे स्टेशन   | आरा – 2 कि.मी.   |
|                                    | बस स्टेण्ड   | आरा – 1 कि.मी.   |
|                                    | पहुँचने का सरलतम मार्ग   | आरा स्टेशन से बस या टेक्सी द्वारा (आरा– पटना मुख्य मार्ग पर)   |
| निकटतम प्रमुख नगर प्रबन्ध व्यवस्था | आरा – 2 कि.मी.<br>संस्था<br>अध्यक्ष<br>मंत्री<br>प्रबन्धक  | भगवान बाहुबली स्वामी महावीर दि. जैन अतिशय क्षेत्र<br>श्री अजयकुमार जैन (09334396920)<br>श्री प्रशान्तकुमार जैन (09431419369)<br>श्री पंकज जैन (06182–691901)   |
| क्षेत्र का महत्व                   | क्षेत्र पर मन्दिरों की संख्या  | : शहर में कुल 40 मन्दिर हैं।   |
|                                    | क्षेत्र पर पहाड़   | : नहीं   |
|                                    | ऐतिहासिकता   | : महिला रत्न ब्र. पं. चन्दाबाई द्वारा स्थापित श्री जैन बाला विश्राम संचालित हैं, कई बालिकाएँ जैन संस्कृति के अनुसार शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। प्रत्येक 12 वर्ष में विशाल एवं अद्वितीय प्रतिमा भ. बाहुबली स्वामी का महामस्तकाभिषेक किया जाता है।             |
|                                    | विशेष जानकारी  | : आरा बहुत ही प्राचीन शहर है। यहाँ जैन समुदाय द्वारा 3 धर्मशालाएँ एवं अनेक विद्यालय संचालित हैं। यहाँ 40 शिखरबन्द दिग. जैन मन्दिर हैं। उत्तर भारत का प्रसिद्ध श्री जैन सिद्धांत भवन ग्रंथगार है, यहाँ हजारों ताड़ पत्रिय एवं हस्तलिखित जैन गंथ संग्रहीत हैं। |
| समीपवर्ती तीर्थक्षेत्र             | श्री कमलदहजी गुलजार बाग (सेठ सुदर्शन का निर्वाण स्थल) - 50 कि.मी. यहाँ से राजगृही, पावापुरी, कुंडलपुर, गुणावौंजी, आदि स्थानों की यात्रा सुगम है। |  |